

कक्षा : 8

हिन्दी

पाठ : 7

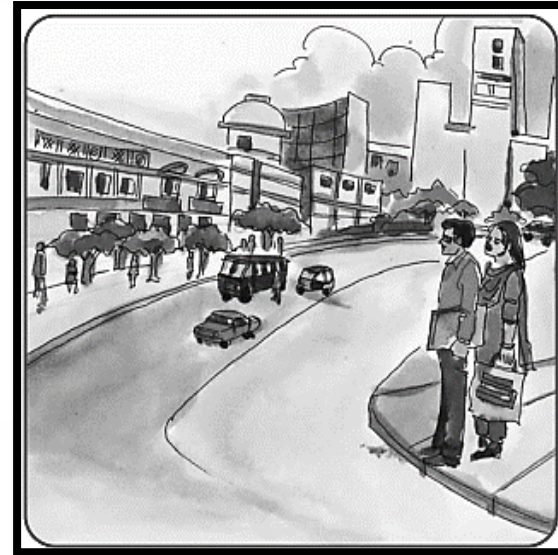
सोच अपनी - अपनी

अभ्यास / स्वाध्याय



अभ्यास

□ नीचे दिए गए चित्रों को ध्यान से देखिए। फिर उन पर आधारित प्रश्नों पर कक्षा में वाद-विवाद करवाइए:



(1) दोनों चित्रों में क्या अंतर है?

- दोनों चित्रों में से एक चित्र गाँव का और दूसरा नगर का है। गाँव के चित्र में नदी है । उसके घाटों पर नहाते, कपड़े धोते, पानी भरते और काम करते लोग हैं । गाँव में कच्चे घर हैं । लोग मामूली कपड़े पहने हुए हैं । लेकिन गाँव में बड़ी शांति का वातावरण है । नगर के चित्र में चौड़ी और दो तरफा सड़क है । पक्के मकान हैं, सड़क पर वाहन चल रहे हैं । वाहनों के कारण शोर है । लोग आधुनिक वेशभूषा में है।

(2) गाँव तथा नगर के जीवन में क्या अंतर है और तुम्हें कौन-सा रुचिकर लगता है? क्यों?

➤ गाँव के जीवन में सादगी सरलता है। किसी तरह की बनावट और तड़क-भड़क नहीं है। लोग शांति से अपने-अपने काम करते हैं । नदी- कुएँ का पानी पीते हैं । वे अपने खेतों में उगाया अनाज तथा ताजी सब्जियाँ खाते हैं। लोग कच्चे घरों में रहते हैं, पर उनका जीवन प्रकृति के बहुत नजदीक होता है।

➤ नगर के जीवन में तड़क-भड़क और बनावट अधिक होती है। लोग आधुनिक और फैशनेबल कपड़े पहनते हैं । वे पक्के मकानों में रहते हैं । वे नल का पानी पीते हैं और बाजार से अनाज तथा फल - सब्जी खरीदकर खाते हैं। नगर की सड़कों पर वाहनों का हमेशा शोर होता है । लोग दूकानों , बैंकों और दफ्तरों में काम करते हैं । नगर के जीवन में शांति नहीं होती। लोगों का जीवन प्रकृति से बहुत दूर होता है।

➤ नगर के जीवन में अनेक दोष हैं, फिर भी मुझे यहाँ का जीवन ही पसंद है । यहाँ के लोग शिक्षित और प्रगतिशील होते हैं। नगर में अच्छे स्कूल और कॉलेज होते हैं । इनके कारण मनपसंद शैक्षणिक योग्यता प्राप्त की जा सकती हैं। अनेक संस्थाएँ, पुस्तकालय आदि व्यक्ति की योग्यता बढ़ाने में सहायक होते हैं । उन्नति के जितने अवसर नगर में हैं, उतने गाँव में नहीं, इसलिए मुझे नगरीय जीवन ही रुचिकर लगता है।

(3) क्या तालाब का जल पीने के लिए योग्य है? यदि नहीं, तो क्यों?

➤ तालाब का जल पीने के लिए योग्य नहीं होता। तालाब चारों ओर से बंद होता है। उसमें चारों ओर से बाहर की धूल - मिट्टी गिरती है। पेड़ों के पत्ते गिरकर सड़ते रहते हैं । लोग तालाब के किनारे कपड़े धोते हैं और जानवरों को नहलाते हैं । यह सारी गंदगी तालाब के जल को दूषित कर देती है । यह दूषित जल पीने से हैजा, पेचिश आदि तरह-तरह की जानलेवा बीमारियाँ होने की पूरी संभावना होती है। इसलिए तालाब का जल पीने के योग्य नहीं होता।

□ नीचे दिए हुए मुद्दों के आधार पर “विज्ञान वरदान या अभिशाप”
इस विषय के एक पक्ष पर अपने विचार कारण सहित प्रस्तुत
कीजिए।

(प्रदूषण, बिजली, अंतरिक्ष की खोज, डॉक्टरी सुविधा, दूरभाष,
कम्प्यूटर, परमाणु बम, पिस्तौल, यातायात, ग्लोबल वॉर्मिंग)

➤ प्रत्येक वस्तु के दो पहलू होते हैं । एक पहलू उसकी अच्छाइयाँ बताता है , दूसरे में उसकी बुराइयाँ दिखाई जाती हैं । विज्ञान को भी इस कसौटी पर कसें तो सबसे पहले उसके अच्छे पहलू हमारे सामने आते हैं । विज्ञान ने बिजली की खोज कर मानवजाति पर बड़ा उपकार किया है ।

- ट्यूबलाइट, पंखे, ए.सी., कूलर, फ्रीज , गीजर ,यादी बिजली से चलनेवाली अन्य मशीनें विज्ञान की अद्भुत देन है ।
- डॉक्टरी पेशे के तमाम उपकरण, एलोपेथी दवाइयाँ ,विज्ञान ने ही हमें दी हैं।
- टेलीफोन और मोबाइल हमें विज्ञान से मिले हैं। फिल्मों और दूरदर्शन विज्ञान के ही उपहार हैं।
- कम्प्यूटर देकर तो विज्ञान ने आज की दुनिया ही बदल डाली है।

- मोटर, बस, ट्रेन , हेलिकोप्टर, हवाई जहाज आदि वाहन भी विज्ञान के ही दिए हुए हैं।
- विज्ञान के कारण आज मनुष्य अंतरिक्ष में पहुंच गया है । चाँद की धरती पर उसने अपने कदम रख दिए हैं।
- विज्ञान के इन अनमोल वरदानों के कारण मानव आज धरती पर ही स्वर्ग के सुख लूट रहा है।
- इन सब वैज्ञानिक आविष्कारों के साथ ही विज्ञान ने बंदूक, पिस्तौल, परमाणु बम्ब जैसे हिंसा और विनाश के साधन भी हमें दिए हैं।

➤ विज्ञान के कारण आज जल, वायु में प्रदूषण भी बढ़ा है। इसमें संदेह नहीं कि ये विज्ञान के अभिशाप है । परंतु विज्ञान के वरदानों की तुलना में उसके अभिशाप खतरनाक होने पर भी कमजोर पड़ जाते हैं ।

➤ सच तो यही है कि यदि विज्ञान न होता तो मानवजाति आज भी वही जीवन जीती जो आदिकाल में जंगलों में रहनेवाले लोग जीते थे।

□ कौन शक्तिशाली है 'कलम या तलवार', अपने विचार कारण सहित बताइए।

➤ कलम लिखने का काम करती है, तलवार युद्ध में काम आती है। कलम के साथ दिमाग की शक्ति जुड़ी है, तलवार के साथ शारीरिक बल जुड़ा है। कलम कविता, कहानी, उपन्यास, जीवनचरित्र आदि लिखती है , तलवार गले काटती है और खून बहाती है । कलम आनंद देती है । उससे समाज में सुख-शांति का प्रसार होता है । वह लोगों के दिल जीतती है, वह बुरों को अच्छा बनाती है । ' रामायण ' पढ़कर कितने ही रावण राम बन गए।

➤ गाँधीजी की ' आत्मकथा ' ने कितने ही बुरे लोंगो को अच्छा बना दिया । व्यास, वाल्मीकि , कालिदास, तुलसीदास, रवीन्द्रनाथ टागोर, शेक्सपियर आदि कलम के कारण मरकर भी अमर हो गए । कलम ने कई सिंहासन पलट दिए हैं । फ्रांस की राज्यक्रांति रूसो, वाल्टेयर की कलम की ताकत से ही हुई थी।

➤ तलवार रक्षा का साधन जरूर है, पर उसकी शक्ति कुछ समय तक ही रहती है । कलम की शक्ति युग-युग तक छाई रहती है। इसलिए मेरे विचार से तलवार की अपेक्षा कलम ही अधिक शक्तिशाली है।

□ दी गई सामग्री पढ़िए और उसके आधार पर प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

बहुत दूर जन्म ले रहा है धरती जैसा ग्रह

नासा की दूरबीन ने दिखाई पृथ्वी के जन्म जैसी तस्वीरें, 424 प्रकाश वर्ष दूर है नया ग्रह

शिकागो (एएफपी)। हमारी पृथ्वी से 424 प्रकाश वर्ष दूर गर्म गर्दों-गुबार के बीच धरती जैसा एक ग्रह आकार ग्रहण कर रहा है।

वैज्ञानिकों के मुताबिक एक करोड़ से 1.6 करोड़ वर्ष की उम्र वाले इस ग्रह का सौरमंडल अभी भूकंप से किशोरावस्था में है। लेकिन जॉन हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी की एप्लाइड फिजिक्स प्रयोगशाला के मुखिया कैरी सिस्से के मुताबिक यह पृथ्वी जैसे ग्रह के जन्म लेने की बिल्कुल सही अवस्था है।

इस सौरमंडल के दो तारों में से एक के इर्दगिर्द धूल की गहरी रिंग बन गई है। वैज्ञानिकों के मुताबिक यह रिंग सौरमंडल के 'बसने योग्य' क्षेत्र में जमा हो रही है और एक दिन इस जगह पर धरती जैसा मिट्टी-पत्थर से बना ग्रह जन्म लेगा, जिसमें पानी भी मौजूद होगा। सिस्से कहते हैं कि सूर्य जैसे तारे के चारों ओर धूल की ऐसी पट्टियों का जन्म लेना बहुत दुर्लभ घटना है और इसके



बाहर की ओर बर्फीली बेल्ट से यह संभावना बनती है कि एक दिन इस ग्रह में पानी भी मौजूद होगा। उन्होंने कहा कि ग्रह का रूप ले रही धूल उन्हीं पदार्थों से बनी है जिनसे हमारी पृथ्वी के क्रस्ट व कोर का निर्माण हुआ है। सिस्से के अनुसार इस बात से भी इंकार नहीं किया जा सकता कि एक दिन वहां धरती जैसा जीवन भी पनपे। उन्होंने कहा कि यह धरती के जन्म की घटना को दोबारा देखने जैसा अनुभव है।

इस दुर्लभ ब्रह्मांडीय घटना की तस्वीरें नासा के स्पिट्जर स्पेस टेलिस्कोप ने उतारी हैं। वैज्ञानिकों के मुताबिक इन दृश्यों को धरती तक टेलिस्कोप तक पहुंचने में 424 वर्ष लग गए लेकिन एक नए ग्रह के जीवन की तुलना में यह पलक झपकने जैसा है। उन्होंने बताया कि इस ग्रह को हमारी पृथ्वी जैसा रूप ग्रहण करने में अभी और 10 करोड़ साल लग सकते हैं।

साभार : हिंदुस्तान, 5 अक्टूबर, 2007

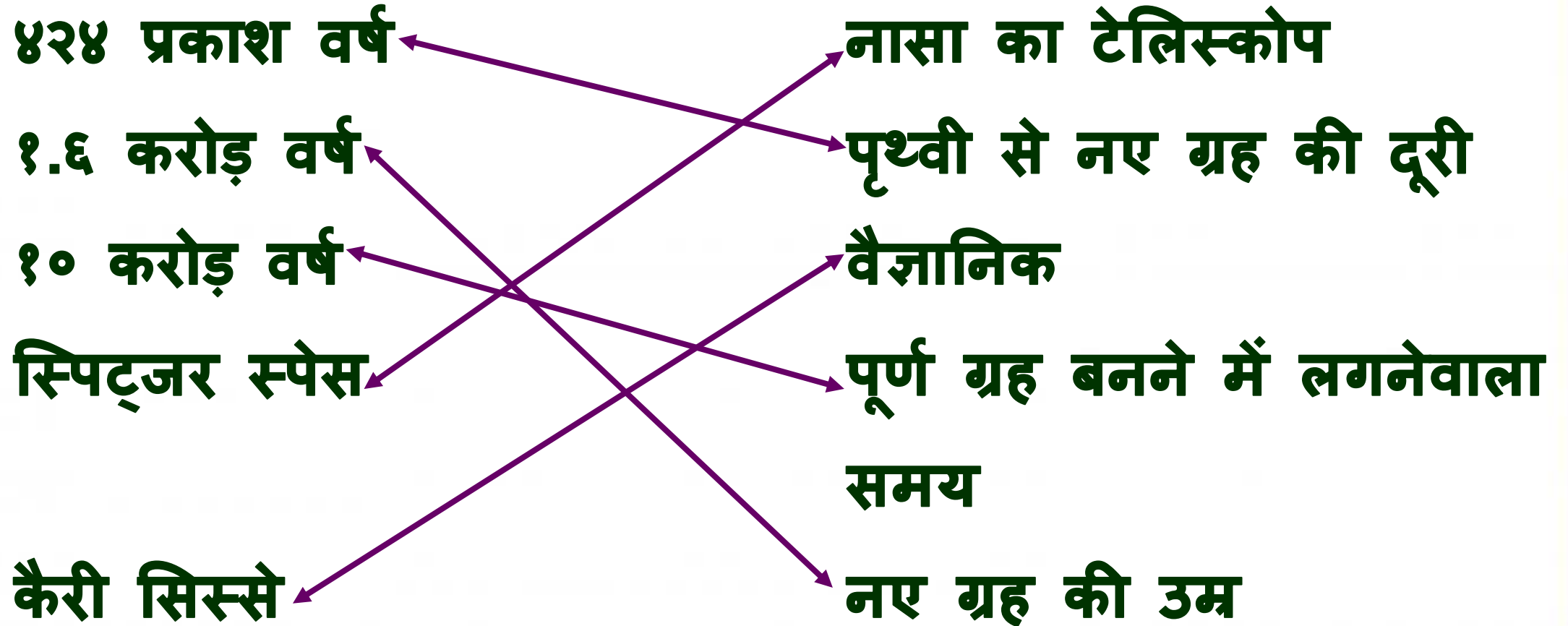
(1) अंतरिक्ष की किस घटना से वैज्ञानिक उत्साहित हैं?

➤ वैज्ञानिक इस घटना से उत्साहित है कि अंतरिक्ष में पृथ्वी जैसा एक नया ग्रह जन्म ले रहा है।

(2) पृथ्वी जैसा ग्रह बनने के लिए अंतरिक्ष में किस प्रकार की स्थिति होना आवश्यक है?

➤ पृथ्वी जैसा ग्रह बनने के लिए यह आवश्यक है कि अंतरिक्ष में पानी मौजूद हो । इसके साथ धूल - मिट्टी की पर्त हो । ऐसी चट्टानें हों जिनसे पृथ्वी की ऊपरी पर्तों का निर्माण हुआ है ।

(3) रेखा खींचकर सही जोड़े मिलाइए :



स्वाध्याय

1. उदाहरण के आधार पर उपसर्ग लगाकर शब्द पुनः लिखिए :

(वि, प्र, अ, दुर्, अध्, निर्, गैर)

भिन्न - विभिन्न

जीव - निर्जीव

देश - विदेश

बल - निर्बल

पका - अधपक्का

समझ - गैरसमझ

गम - दुर्गम

सुविधा - असुविधा

योग - प्रयोग

वांछित - अवांछित

2. उदाहरण के आधार पर प्रत्यय लगाकर शब्द पुनः लिखिए :

(ई, ता, इत, इक)

उदाहरण : नियम + इत = नियमित

(1) विदेश	- <u>विदेशी</u>	(5) चंचल	- <u>चंचलता</u>
(2) प्रकृति	- <u>प्राकृतिक</u>	(6) यंत्र	- <u>यांत्रिक</u>
(3) पुत्र	- <u>पुत्री</u>	(7) मानव	- <u>मानवता</u>
(4) लापरवाह	- <u>लापरवाही</u>	(8) हँस	- <u>हँसी</u>

3. चित्र के आधार पर काव्य की रचना कीजिए:



घड़ी लगी दीवार पर
टिक-टिक कर तू चलती है,
दिन हो , या रात हो
जाड़ा हो, या बरसात हो
कभी नहीं रुकती, थकती
हरदम आगे ही बढ़ती जाती।

4. देश की उन्नति, विकास एवं रक्षा के लिए आप क्या बनना चाहेंगे "किसान या सैनिक"? कारण सहित अपने मित्र को पत्र द्वारा बताइए।

३, शांतिवन
पुणा रोड,

प्रिय मित्र.....

सप्रेम नमस्ते

बहुत दिनों बाद तुम्हारा पत्र आया । पत्र पढ़कर बहुत खुशी हुई।
पत्र में तुमने पूछा है : ' किसान या सैनिक बनने के बारे में तुम्हारी
पसंद क्या है?

बड़ा टेढ़ा सवाल है, क्योंकि हमारे देश में किसान और सैनिक (जवान) दोनों का महत्त्व है । यदि जवान राष्ट्र का रक्षक है तो किसान हमारा अन्नदाता है। फिर भी मैं तो किसान बनना ही पसंद करूंगा।

हमारे देश की जनसंख्या बढ़ती जा रही है । आज भी हमारे यहाँ बहुत - से लोगों को दो वक्त की रोटी नहीं मिलती । अनाज महँगे हैं, दालें महँगी हैं, मसाले महँगे हैं और तेल भी महँगा है। ये चीजें सबको सुलभ नहीं हैं।

देश में लाखों बच्चे कुपोषण के शिकार हैं, क्योंकि उनको जरूरी पौष्टिक आहार नहीं मिलता । इस खाद्य - समस्या का हल कृषि के विकास से ही हो सकता है । खेतों में अनाज, दालें, तिलहन , सब्जियाँ आदि भरपूर पैदा होंगी तभी सबको सुलभ होगी।

देश के जवानों को भी तो खाद्यपदार्थों की पूर्ति करनी पड़ती है। इस प्रकार वर्तमान परिस्थितियों में मैं किसान बनना ही पसंद करूंगा।

इस पत्र के उत्तर में तुम अपनी पसंद के बारे में जरूर
बताना। अपने माता-पिता को मेरा प्रणाम कहना।

तुम्हारा मित्र
नील

Thanks



For watching